3. शब्द विचार

शब्द विचार व्याकरण शास्त्र के ज्ञान का दूसरा मुख्य भेद है। इसमें शब्दों के बनने तथा उनके प्रकार पर विचार किया जाता है। वर्णों का व्यवस्थित और सार्थक समूह एक सार्थक शब्द का निर्माण करता है।

शब्दों के जिस समूह से एक निश्चित अर्थ की प्राप्ति होती है, वही शब्द होता है।

शिक्षण-संकेत

- ब्लैकबोर्ड पर कुछ वर्णों को तोड़कर या विच्छेद करके लिखें और छात्रों से उन्हें जोड़कर शब्द बनवाएँ। कुछ वर्णों को ऐसे भी लिखें जिनसे कोई सार्थक शब्द न बने। इस प्रकार छात्र स्वयं ही शब्द को समझ पाएँगे।
- शब्दों के भेद बताएँ। अर्थ के आधार पर, रचना या बनावट के आधार पर, उत्पत्ति के आधार पर, प्रयोग के आधार पर; इन चारों आधारों पर शब्दों का भेद किया जाता है।
- समझाएँ, जिन शब्दों का अर्थ होता है, वे सार्थक शब्द होते हैं तथा जिनका कोई अर्थ नहीं होता, वे निरर्थक कहलाते हैं। बताएँ, विलोम, पर्यायवाची, अनेकार्थी आदि सार्थक शब्द हैं।
- उत्पत्ति के आधार पर शब्द भेद बताते हुए समझाएँ कि बहुत-से शब्दों की उत्पत्ति या जन्म अन्य भाषा शब्दों से होता है तो बहुत-से शब्द कुछ अन्य भाषाओं से हिंदी भाषा में प्रयोग किए जाते हैं।
- तत्सम-तद्भव तथा देशी-विदेशी शब्दों के बारे में बताते हुए संस्कृत के कुछ शब्द बोलें फिर उनके हिंदी रूप यानि तद्भव शब्द बच्चों से जानें। छात्रों से त्रुटि होने पर सुधार भी करें।
- रचना के आधार पर रूढ़, यौगिक तथा योगरूढ़ शब्दों को बनाना तथा उनका प्रयोग समझाएँ। इन शब्दों का अंतर भी स्पष्ट करें। कुछ शब्दों को बोलें और छात्रों से उनका प्रकार जानें।
- बीच-बीच में छात्रों से पूछते रहें कि वे विषय को भली-भाँति समझ पा रहे हैं अथवा नहीं।
- प्रयोग के आधार पर शब्द भेद बताते हुए विकारी-अविकारी शब्दों के बारे में बताएँ।
- समझाएँ, जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, वे अविकारी शब्द होते हैं तथा जिन शब्दों पर लिंग, वचन, कारक का प्रभाव पड़ता है, वे विकारी शब्द होते हैं। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि विकारी शब्द हैं तथा क्रियाविशेषण, संबंधबोधक आदि अविकारी।
- उदाहरणों की सहायता से छात्रों से विकारी-अविकारी शब्द पूछें।
- अभ्यास के प्रश्न जाँचें तथा आवश्यकतानुसार सहायता करें।